Nai Dunia (Indore), 09th December 2022, Front Page – 04

आइआइटी ने तैयार की बेहतर प्रदर्शन करने वाली मेमोरी

- मोबाइल फोन और लैपटाप में लगने वाली मेमोरी को सक्षम बनाया
- आइआइएम इंदौर के दो प्रोफेसर द्वारा तैयार मेमोरी का पेटेंट दर्ज

इंदौर (नईदुनिया प्रतिनिधि)। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आइआइटी) इंदौर के नाम एक और पेटेंट हो गया। इस बार मोबाइल फोन और लैपटाप में लगने वाली मेमोरी को सक्षम बनाने के लिए काम किया गया है। इलेक्ट्रानिक्स इंजीनियरिंग के डा. नंदकिशोर यादव और प्रो. संतोष कुमार विश्वकर्मा ने विश्वसनीय इलेक्ट्रानिक्स सिस्टम डिजाइन के लिए नई मेमोरी तैयार की है। इसके तहत स्टैटिक रैंडम एक्सेस मेमोरी (एसरैम) तैयार की गई है। इससे मोबाइल और लैपटाप जैसे उपकरण ज्यादा वर्षों तक बेहतर प्रदर्शन कर सकेंगे।

यह फिन टाइप फील्ड इफेक्ट ट्रांजिस्टर सिस्टम पर आधारित है। इससे उपकरणों की गति तेज हो सकेगी और ज्यादा समय तक यह बनी रहेगी। आइआइटी इंदौर के प्रो. विश्वकर्मा का कहना है कि इस समय मोबाइल और लैपटाप में उपयोग होने वाली मेमोरी की कुछ वर्षों बाद गति कम हो जाती है। मेमोरी के आकार जिस तरह से छोटे होते जा रहे हैं, उससे लंबे समय बाद इसके प्रदर्शन पर असर पड़ सकता है। ऐसे में मेमोरी का आकार सीमित रखकर इसे इस तरह से डिजाइन किया गया है, जिससे इसके प्रदर्शन पर कोई असर न पड़े।